



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 847]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 30, 2018/अग्रहायण 9, 1940

No. 847]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 30, 2018/AGRAHAYANA 9, 1940

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमाशुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 2018

सं. 78/2018-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 1154(अ).—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. संख्यांक 413(अ), तारीख 8 मई, 2000 द्वारा प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्यांक 57/2000-सीमाशुल्क, तारीख 8 मई, 2000 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

2. उक्त अधिसूचना में, दूसरे परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“परंतु यह और कि जहां निर्यातकर्ता ने, निर्यात किए गए उत्पाद के संबंध में,—

(i) केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के अधीन इनपुट पर केंद्रीय मूल्यवर्धित कर प्रत्यय; या

(ii) केंद्रीय माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 के अध्याय 5 के अधीन इनपुटों या सेवाओं या दोनों पर इनपुट कर प्रत्यय; या

(iii) केंद्रीय माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 की धारा 54 के अधीन इनपुट कर प्रत्यय के प्रतिदाय या एकीकृत कर के प्रतिदाय,

का उपभोग किया है, वहां निर्यातकर्ता को सोना या चांदी की पुनः पूर्ति उपलब्ध नहीं होगी।”

[फा. सं. डीजीईपी/जीएंडजे/05/2017]

दिनेश कुमार गुप्ता, निदेशक

टिप्पणः मूल अधिसूचना, संख्यांक 57/2000-सीमाशुल्क, तारीख 8 मई, 2000, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. सं. 413(अ), तारीख 8 मई, 2000 द्वारा प्रकाशित की गई थी और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. सं. 727(अ), तारीख 29 जून, 2017 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्यांक 26/2017-सीमा-शुल्क, तारीख 29 जून, 2017 द्वारा अंतिम संशोधन किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF INDIRECT TAXES AND CUSTOMS)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th November, 2018

No. 78/2018-Customs

G.S.R. 1154(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 57/2000-Customs dated the 8th May, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) *vide* number G.S.R. 413(E), dated the 8th May, 2000, namely:—

2. In the said notification, after the second proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided further that no replenishment of the gold or silver shall be available to the exporter where the exporter avails, in respect of exported product —

- (i) Cenvat credit on inputs under the Central Excise Act, 1944; or
- (ii) input tax credit on inputs or services or both under Chapter V of the Central Goods and Services Tax Act, 2017; or
- (iii) refund of input tax credit or refund of integrated tax under section 54 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017."

[F. No. DGEP/G&J/05/2017]

DINESH KUMAR GUPTA, Director

Note : The principal notification No. 57/2000-Customs dated the 8th May, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) *vide* number G.S.R. 413(E), dated the 8th May, 2000 and was last amended by notification No. 26/2017-Customs, dated 29th June, 2017, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) *vide* G.S.R. 727(E), dated the 29th June, 2017.